

---

# Shri Namamauktikamala

---

## श्रीनाममौक्तिकमाला

---

### Document Information

Text title : Shri Namamauktikamala 03 01

File name : nAmamauktikaMA.itx

Category : vishhnu

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : Rajesh Thyagarajan

Description/comments : From stotrArNavaH 03-01

Latest update : August 14, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 14, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीनाममौक्तिकमाला



यत्पदाम्भोरुहध्यानविश्वस्ताशेषकल्मषः ।  
वस्तुतागुपयातोऽहं यामुनेयं नमामि तम् ॥ १ ॥

श्रीनाममौक्तिकैर्माला यामुनार्येण निर्मिता ।  
ऋषिसूक्ति (शुक्ति) समुद्भूतेर्निर्दोषैः श्रुतिसागरे ॥ २ ॥

आराधनाय हरये जगदानन्ददायिने ।  
श्रीनाथनायकपति (मणिः) नारायणगुणान्विता ॥ ३ ॥

सर्वकल्याणजननी जगन्मङ्गलवैभवा ।  
मनीषिभिर्महाभागैर्वैष्णवैर्ध्रियतामियम् ॥ ४ ॥

श्रीमन्नारायणाद्रीश श्रीमन्नञ्जनशैलप ।  
श्रीमद्वृषभशैलेन्द्र श्रीमत्सिंहनगाधिप ॥ ५ ॥

श्रीशेषगोत्राभरण श्रीनिवासेति कीर्तये ।  
अच्युतानन्द गोविन्द मुकुन्द गरुडध्वज ॥ ६ ॥

जगदानन्दजनक जगज्जन्मादिकारण ।  
नारायण जगन्नाथ शरणागतवत्सल ॥ ७ ॥

सत्यसङ्कल्प सर्वज्ञ सत्यकाम सनातन ।  
निस्समाभ्यधिक स्वस्थ स्वे महिम्नि प्रतिष्ठित ॥ ८ ॥

त्रिविक्रम त्रिलोकेश शङ्खचक्रगदाधर ।  
रमानाथ रसानाथ नीलानाथ निरञ्जन ॥ ९ ॥

नित्य निर्दोष निस्सीममहाविभव शाश्वत ।  
त्रिगुणातीत षाड्गुण्यपरिपूर्ण परात्पर ॥ १० ॥

पुरुषोत्तम रमानाथ पुण्यश्रवणकीर्तन ।  
निर्विकार निरातङ्क नित्यानन्द निरामय ॥ ११ ॥

यज्ञेश यज्ञपुरुष पुण्डरीकाक्ष माधव ।  
 वासुदेव विभो विश्वक्सेन वैकुण्ठ वामन ॥ १२ ॥  
 नीलवर्णार्णवशय श्रीवल्लभ जगत्पते ।  
 त्रय्यन्तगीतासङ्ख्यसन्मङ्गलगुणाकर ॥ १३ ॥  
 रमारमण राजीवदलचारुविलोचन ।  
 नित्ययौवनसौन्दर्यशील दिव्यगुणार्णव ॥ १४ ॥  
 वेदवेद्य विशालाक्ष विश्वम्भर धरापते ।  
 दाशार्ह देवदेवेश दामोदर दयानिधे ॥ १५ ॥  
 धरणीधारकाधारनिलयाधोक्षजाव्यय ।  
 योगिध्येय जगद्वन्द्य जगत्स्वामिन् जनार्दन ॥ १६ ॥  
 नारसिंह हयग्रीव हरे प्रह्लादवत्सल ।  
 लोकाधार पराधार आत्माधार धराधर ॥ १७ ॥  
 रथाङ्गपाणे सर्वेश सर्वलोकसमाश्रय ।  
 भूतभव्यभवन्नाथ वेङ्कटाचलनायक ॥ १८ ॥  
 कृष्ण विष्णो विशालाक्ष वैजयन्तीविराजित ।  
 क्षीरार्णवशयानन्त शरण्याश्रितवत्सल ॥ १९ ॥  
 सर्वात्मन् सर्वलोकेश सर्व सर्वात्मनायक ।  
 करुणाकर कालज्ञ सर्वलोकनियामक ॥ २० ॥  
 मुञ्जीकेश हृषीकेश केशिमर्दन केशव ।  
 नरकान्तक काकुत्स्थ कालात्मन् कालपाचक ॥ २१ ॥  
 करीन्द्रवरदानन्द श्रीधर श्रीनिकेतन ।  
 निरवद्य परब्रह्मन् सर्वलोकपदाश्रय ॥ २२ ॥  
 नाथसेव्यपदाम्भोज वकुलाभरणाश्रय ।  
 रामारामाभिरामाङ्ग रामकृष्णेति कीर्तये ॥ २३ ॥  
 श्रीमद्वेङ्कटनाथमादिपुरुषं पूर्णं परं शाश्वतं  
 श्रीनाथं शरणागतार्तिहरणं नारायणं संश्रये ।  
 कृष्णं विष्णुमनन्तमच्युतमजं गोविन्दमिन्दीवर-  
 श्यामं नन्दकशङ्खचक्ररुचिरं ध्यायन् भजे कीर्तये ॥ २४ ॥

येनैतत्पठ्यते नानाम्नाष्टविंशोत्तरं शतम् ।  
अनिष्टपक्षपणमिष्टावासिरवाप्यते ॥ २५ ॥  
इति श्रीनाममौक्तिकमाला सम्पूर्णा ।

Proofread by Rajesh Thyagarajan

---

—  
*Shri Namamauktikamala*

pdf was typeset on August 14, 2021

—  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

